सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

**प्रधान संपादक:** रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

# स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 08 मई, 2025
वर्ष: 02, अंक: 132, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

दु:साहस करने वालों के मंसूबे को चकनाचूर कर देती है यूपी पुलिस

**इनसाइड** एसीपी मोहसिन को बचाने में दरोगा लाइन हाजिर... » Pg03

## अभी खत्म नहीं हुआ ऑपरेशन सिंदूर

# लाहौर में एयर डिफेंस सिस्टम को किया तबाह

## भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश नाकाम, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के आगे नापाक इरादे फेल

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

**नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है। भारत ने पाक के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया है। इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। इस कार्रवाई को भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया है। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान पूरी तरह से बौखला गया है। दरअसल, बीती रात पाकिस्तान ने एक बार फिर नापाक हरकत करने की कोशिश की, जिसे भारतीय सेना ने पूरी तरह से नाकाम कर दिया।**

पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर, पंजाब और गुजरात सहित देश के उत्तरी और पश्चिमी भागों में भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे भारतीय सेना ने पूरी तरह से नाकाम कर दिया।

7-8 मई की रात को पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल करके अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। इन हमलों को काउंटर यूएएस ग्रिड और एयर डिफेंस सिस्टम ने बेअसर कर दिया गया। इन हमलों के मलबे अब कई स्थानों से बरामद किए जा रहे हैं जो पाकिस्तानी हमलों को साबित करते हैं।

पाकिस्तान के हमलों का जवाब देते हुए भारतीय सेना ने गुरुवार सुबह पाक में कई जगहों पर एयर डिफेंस रडार और सिस्टम को निशाना बनाया। भारत ने पाकिस्तान के साथ जैसे को तैसा वाली ही रणनीति अपनाई है और ठीक उसी तरह से पलटवार किया है, जिस तीव्रता से पड़ोसी देश ने हमला बोला। सेना के इस हमले में लाहौर में एक एयर डिफेंस सिस्टम को भी तबाह कर दिया है। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टरों में मोर्टार और भारी कैलिबर आर्टिलरी का इस्तेमाल करते हुए नियंत्रण रेखा के पार अपनी गोलीबारी की तीव्रता बढ़ा दी है।

पाकिस्तानी गोलीबारी की वजह से तीन महिलाओं और पांच बच्चों सहित 16 निर्दोष लोगों की जान चली गई है। इन इलाकों में भी भारत को पाकिस्तान की ओर से मोर्टार और आर्टिलरी की गोलीबारी को रोकने के लिए जवाबी कार्रवाई करनी पड़ रही है। सरकार ने कहा है कि भारतीय सेना तनाव को न बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं, बशर्ते कि पाकिस्तानी सेना इसका सम्मान करे।

### घुटनों पर आया पाक स्टॉक

पाकिस्तान के स्टॉक एक्सचेंज में हाहाकार मचा हुआ है। सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को पाकिस्तान के इंडेक्स कराची स्टॉक एक्सचेंज में 7 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। हालात इतने बदतर हो गए कि स्टॉक एक्सचेंज में ट्रेडिंग रोक दी गई। करानी स्टॉक एक्सचेंज इंडेक्स के दिन की ट्रेडिंग रेंज 1,01,599 अंक से 1,11,881 अंक के बीच रही। वर्तमान में इंडेक्स की ट्रेडिंग 1,02,000 अंक के नीचे है।

इससे पहले बुधवार को भी कराची स्टॉक एक्सचेंज में कुछ देर के लिए कारोबार ठप करने की नौबत आई थी। बता दें कि भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर हमला किया था, जिसमें कई आतंकवादियों के मारे जाने और उनके ठिकाने नष्ट होने की सूचना है।

## गोपनीय बोलकर सरकार ने बताने से किया इनकार, फिर भी हम देंगे समर्थन

**गुरुवार** को संसद भवन के एनेक्सी में सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रीय हित में सरकार के कदमों का पूर्ण समर्थन जताया, हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए। बैठक का उद्देश्य 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में राजनीतिक दलों को जानकारी देना था, जिसके तहत बुधवार तड़के भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले का जवाब थी, जिसमें 25 भारतीय मारे गए थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक में सभी दलों को ऑपरेशन की जानकारी दी। गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, मल्लिकार्जुन खड़गे, और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कई नेता मौजूद थे।

## पीएसएल का मैच रद्द

## भारत के हमले में तबाह हुआ रावलपिंडी स्टेडियम

**पहलगाम** हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के संबंध तनाव के चरम सीमा पर हैं। अब भारत ने पाकिस्तान के रावलपिंडी स्टेडियम पर हमला कर दिया है और उस स्टेडियम को तबाह कर दिया है। इसी वजह से अब इस स्टेडियम में होने वाले सभी मैच रद्द कर दिए गए हैं। भारत के ड्रोन हमले में स्टेडियम के परखच्चे उड़ गए हैं। पाकिस्तान में इस समय पाकिस्तान सुपर लीग 2025 का आयोजन हो रहा था, जहां रावलपिंडी के मैदान पर 8 मई को पेशावर जाल्मी और कराची किंग्स के बीच मुकाबला होना था। लेकिन अब भारत ने ड्रोन हमले में पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है और स्टेडियम को ही उड़ा दिया।

## आतंकियों के 12 ठिकाने अभी बाकी: राजनाथ सिंह

**केंद्र** द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि अभी ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इस एयरस्ट्राइक में कम से कम 100 आतंकी मारे गए हैं। सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी इस बात की पुष्टि की है। बुधवार रात भारतीय सेना की एयरस्ट्राइक में पाकिस्तान और पीओके में कम से कम 9 आतंकी ठिकाने नेस्तनाबूत हो गए थे। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि आतंकियों के कम से कम 12 ऐसे ही ठिकाने अभी बचे हुए हैं।

## रिलायंस सहित ऑपरेशन सिंदूर को भुनाने पहुंचे 4 दावेदार

**भारत** की 'ऑपरेशन सिंदूर' नामक सैन्य कार्रवाई, जिसने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, अब एक अप्रत्याशित विवाद का केंद्र बन गई है। इस ऑपरेशन के नाम को ट्रेडमार्क के रूप में रजिस्टर करने की होड़ में चार दावेदार सामने आए हैं, जिनमें मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज भी शामिल है। रिलायंस ने बुधवार, 7 मई को ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री में 'ऑपरेशन सिंदूर' को वर्क मार्क के रूप में रजिस्टर करने के लिए आवेदन दायर किया है। यह रजिस्ट्रेशन क्लास 41 के तहत मांगा गया है, जो शिक्षा और मनोरंजन सेवाओं को कवर करता है।

# कानपुर में ब्लैक आउट....

## » सिविल डिफेंस के सायरन बजने के पश्चात कानपुर में ब्लैकआउट सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ

## » पुलिस प्रशासन और सिविल डिफेंस सड़क पर उतरकर मुस्तैदी से डटे रहें

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

**कानपुर।** रात 9:30 बजे से 10:00 बजे तक जनपद कानपुर नगर में सिविल डिफेंस के सायरन के बाद ब्लैकआउट अभ्यास सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस दौरान समेत जनपद के समस्त जैसे घंटाघर चौराहा बड़े चौराहा सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों की विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद रही नागरिकों ने इस अभ्यास में पूर्ण सहयोग देते हुए अपने घरों, दुकानों और बाजारों की लाइटें बंद रखीं।

जिससे संपूर्ण क्षेत्र अंधकारमय रहा। साथ ही, नगर निगम द्वारा संचालित सभी स्ट्रीट लाइटें भी नियमानुसार बंद कर दी गईं ब्लैकआउट के हैं ये उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा हेतु पूर्वाभ्यास करना सिविल डिफेंस व्यवस्था की तैयारियों का परीक्षण करना नागरिकों को संकट के समय सतर्क रहने और उचित सावधानी बरतने के प्रति जागरूक करना प्रशासन की ओर से सभी नागरिकों को उनके सहयोग और अनुशासन के लिए धन्यवाद एवं सराहना प्रकट की जाती है।

### मेयर प्रमिला पांडेय की अपील का दिखा असर

मेयर प्रमिला पांडे ने ब्लैक आउट की तैयारी को लेकर नगर निगम के सभी पार्षदों को बुलाकर उनको जरूरी निर्देश दिए थे। नगर निगम के कर्मचारियों और पार्षदों के सहयोग से शहर की स्ट्रीट लाइट भी ब्लैक आउट के दौरान बंद की गई। इसका साफ असर भी देखा गया। मोतीझील और उसके आसपास के तमाम सार्वजनिक इलाकों के भी लाइट बंद नजर आई।

# एसीपी मोहसिन को बचाने में दरोगा लाइन हाजिर

## » सबूत छुपाने को लेकर दरोगा राजेश प्रसाद बाजपेई पर हुई कार्यवाही

## » दारोगा ने इंस्पेक्टर को भी किया गुमराह

**शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया**

### आईआईटी स्कॉलर को फंसा कर शोषण करने वाले एसीपी मोहसिन खान का मामला

कानपुर। एसीपी मोहसिन खान और एक आईआईटी स्कॉलर के बीच चल रहे विवाद में एक बड़ा मोड़ आ गया है। जांच में लापरवाही और तथ्यों को छुपाने के आरोप में एसआई राजेश प्रसाद बाजपेई को लाइन हाजिर कर दिया गया है। मामला तब तूल पकड़ा जब एसीपी की पत्नी सुहैला सैफ द्वारा कोर्ट में दी गई याचिका पर दरोगा ने बिना उचित जांच के रिपोर्ट लगा दी, जिसमें स्कॉलर को दोषी बताया गया था। कल्याणपुर एसीपी के अनुसार, दरोगा ने कोर्ट में प्रस्तुत रिपोर्ट में कई जरूरी तथ्यों को जानबूझकर छुपाया। विभागीय जांच में सामने आया कि दरोगा ने न केवल कोर्ट को गुमराह किया, बल्कि अपने उच्च अधिकारियों को भी इस जांच की कोई सूचना नहीं दी। यही नहीं, रिपोर्ट बनाते समय न तो घटनास्थल का निरीक्षण किया गया और न ही गवाहों से पूछताछ।

रावतपुर इंस्पेक्टर ने डीसीपी को पत्र लिखकर दरोगा के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि नियमानुसार कोर्ट से मिले किसी भी आदेश को पहले डाक मुंशी के माध्यम से थाने में दर्ज कराया जाता है, लेकिन इस मामले में एसआई राजेश प्रसाद ने आदेश सीधे पैरोकार से ले लिया और इंस्पेक्टर को इसकी जानकारी तक नहीं दी।

### 'जांच' के नाम पर खेल

सूत्रों के अनुसार, 16 अप्रैल को कोर्ट ने पुलिस को जांच सौंपी थी, लेकिन हेड कॉन्स्टेबल श्याम बाबू द्वारा आदेश को डाक मुंशी को न देकर सीधे एसआई को सौंप दिया गया। इसके बाद दरोगा ने बिना किसी औपचारिक जांच के रिपोर्ट तैयार की और कोर्ट में लगा दी। इस लापरवाही के कारण अब मामले की फाइल रावतपुर थाने से ट्रांसफर की जा रही है। पुलिस विभाग ने इस मामले की गहराई से जांच शुरू कर दी है और सूत्रों का कहना है कि आने वाले दिनों में और भी नाम सामने आ सकते हैं। दरोगा की यह हरकत सिर्फ एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि न्याय प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ है।

निलंबित चल रहे एसीपी मोहसिन खान

# शोहदे से तंग मेडिकल छात्रा ने छोड़ा कॉलेज

## अकेले में मिलने की दे रहा था धमकी, नहीं पहुंची तो एडिट फोटो की वायरल

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। कल्याणपुर में किराए पर रह रही मेडिकल छात्रा को अकेले में मिलने का दबाव बनाकर शोहदा एसिड फेंकने व दुष्कर्म की धमकियां दे रहा था। मोबाइल नंबर ब्लाक करने पर शोहदे ने छात्रा की फेक आईडी बना ली और उसकी फोटो को एडिट कर उन्हें रिश्तेदार व दोस्तों के सोशल मीडिया अकाउंट पर वायरल कर दिया। जिससे आहत छात्रा ने कालेज जाना छोड़ दिया। पीड़िता ने शोहदे के खिलाफ कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मूलरूप से उन्नाव जिले के बीघापुर क्षेत्र निवासी युवती कल्याणपुर आवास विकास में किराए पर रहकर एक निजी मेडिकल कालेज से बीएएमएस द्वितीय वर्ष की छात्रा है। छात्रा के अनुसार बीते एक माह से एक युवक उन्हें फोन कर मिलने के लिए दबाव बना रहा है। विरोध करने पर उसे एसिड से नहलाने व दुष्कर्म कर शव झाड़ियों में फेंकने की धमकियां भी दे रहा था।

जिससे तंग आकर छात्रा ने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया।

आरोप है कि इसपर भड़के शोहदे ने इंस्टाग्राम पर छात्रा के नाम से दो फेक आईडी बनाईं। उसकी फोटो एडिट कर छात्रा के दोस्तों व रिश्तेदारों को भेज दी।

छात्रा की एडिट की हुई न्यूड फोटो को अश्लील गानों के साथ स्टोरी पर लगा दिया। जिससे शर्मिंदगी का सामना कर रही छात्रा ने कालेज जाना भी छोड़ दिया।

कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर सर्विलांस टीम की मदद से आरोपित की तलाश की जा रही है।

# किताबी ज्ञान तक ही सीमित न हों शिक्षा के मायने

## » बच्चों को किताबी ज्ञान देने के बजाय बने उनके मार्गदर्शक

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर। बदलते जमाने के साथ-साथ शिक्षा के मायने और उसूल भी दिन-ब-दिन बदलते चले जा रहे हैं और धीरे-धीरे इस क्षेत्र में भी नए-नए बदलाव देखे जाने लगे हैं। आज के दौर में किशोरों के सामने चुनौतियाँ तेजी से बदल रही हैं। तकनीकी के विकास और समाज में हो रहे बदलावों ने बच्चों की मानसिकता और उनकी जरूरतों को भी प्रभावित किया है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम पर राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र बताता है कि किशोरावस्था एक ऐसा समय है जब बच्चे सामाजिक और व्यक्तिगत अस्थिरता से गुजरते हैं। ऐसे में शिक्षकों को न केवल पढ़ाई तक सीमित रहना चाहिए बल्कि एक सलाहकार की भूमिका भी निभानी चाहिए। यह भूमिका उन्हें मानसिक और सामाजिक समस्याओं से निपटने में मदद करने की होनी चाहिए।**

आज तकनीकी का उपयोग जितना बढ़ा है उसका दुरुपयोग भी उतना ही बढ़ गया है। मोबाइल फोन और इंटरनेट की सस्ती उपलब्धता ने अश्लील सामग्री तक बच्चों की पहुँच आसान बना दी है। पहले सिनेमाघरों में वयस्क फिल्मों पर आयु प्रतिबंध था लेकिन अब यह सीमाएँ लगभग समाप्त हो चुकी हैं।

किशोरों के मन और समाज पर इसका गहरा असर पड़ रहा है। ऐसे में शिक्षकों को इन मुद्दों पर खुलकर बात करनी होगी और विद्यार्थियों को तकनीकी का सही उपयोग सिखाना होगा।

विद्यालयों में अब ऐसे विषयों पर चर्चा का माहौल बनाना बेहद जरूरी हो गया है। शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों को यह भरोसा दिलाएँ कि उनकी समस्याएँ सुनी जाएँगी और उनका सही समाधान मिलेगा। किशोरों को यह समझाने की जरूरत है कि तकनीकी का सही उपयोग उनके जीवन को बेहतर बना सकता है। तकनीकी उपकरणों और स्मार्ट कक्षाओं के आने से शिक्षा में कई बदलाव हुए हैं लेकिन इसके कारण शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच संवाद कम हो गया है।

पहले शिक्षक विद्यार्थियों से खुलकर बात कर सकते थे और उनकी समस्याओं को समझ सकते थे। आज कुछ विद्यालय कंपनियों की तरह काम कर रहे हैं, जहाँ व्यक्तिगत जुड़ाव कम होता जा रहा है। इससे न केवल विद्यार्थियों की समस्याएँ बढ़ रही हैं बल्कि शिक्षकों के पास सलाह देने के अवसर भी सीमित हो गए हैं। शिक्षकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों से संवाद को फिर से बढ़ावा दें। व्यक्तिगत समस्याओं और सामाजिक अशांति पर चर्चा के लिए समय निकालें।

यह जरूरी है कि शिक्षक विद्यार्थियों के साथ एक दोस्त और मार्गदर्शक की भूमिका निभाएँ।

आज के समय में शिक्षक विद्यार्थियों के लिए केवल एक पाठ पढ़ाने वाले नहीं बल्कि एक दोस्त, मार्गदर्शक और सहायक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

जब विद्यार्थी अपने मन की बातें बिना किसी डर के कह सकें और शिक्षक उनकी समस्याओं को समझकर सही दिशा में मार्गदर्शन करें तभी शिक्षा का असली उद्देश्य पूरा हो सकेगा। यहाँ यह समझना जरूरी है कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें। वे विद्यार्थियों के जीवन में उनकी समस्याओं का समाधान करने वाले, उन्हें दिशा देने वाले और सच्चे मार्गदर्शक बनें। तभी शिक्षा के माध्यम से समाज को बेहतर बनाया जा सकता है।

# यात्रियों के धक्के से ट्रेन से गिरा व्यापारी, मौत

## अधिक भीड़ के चलते कोच के दरवाजे पर खड़ा था

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। यात्रियों की धक्कामुक्की में परचून व्यापारी चलती ट्रेन से गिर गया। पहियों के नीचे आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दादानगर में हादसे के बाद लोको पायलट ने घटना की सूचना रेलवे स्टेशन को दी। खबर पाकर पहुंचे व्यापारी के भाई ने शव की शिनाख्त की।

हमीरपुर के सरीला मांझखोर झंडाबाजार निवासी 58 वर्षीय महेंद्र कुमार अरजरिया क्षेत्र में परचून का व्यापार करते थे। परिवार में पत्नी सुमनलता, बेटा यश व दो बेटियां हैं। मंगलवार सुबह वह कारोबार के सिलसिले में नयागंज बाजार आए थे। दिनभर नयागंज में काम निपटने के बाद शाम को सेंट्रल स्टेशन पहुंचे और घर जाने के लिए ट्रेन पकड़ी।

व्यापारी के छोटे भाई सुधीर ने बताया कि उन्हें फोन पर जीआरपी ने हादसे की सूचना दी थी। पहुंचने पर जानकारी हुई कि ट्रेन में अधिक भीड़ होने के कारण भाई दरवाजे के पास खड़े होकर सफर कर रहे थे। तभी यात्रियों की धक्कामुक्की में वह दादानगर में चलती ट्रेन से नीचे जा गिरे। पहियों के नीचे आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। लोको पायलट की सूचना पर जीआरपी ने शव को मोर्चरी भेजा, जहां पहुंचकर उन्होंने शिनाख्त की। सुधीर ने बताया कि भाई के पास एक बैग था, वह बैग उन्हें नहीं मिला है।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध

- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन

1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्प्प्ब्न्प्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर

विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

स्वराज इंडिया

**सम्पादकीय**

# वातावरण बनाना सरकारी जिम्मेदारी

हाल में जारी 'हैप्पीनैस इंडेक्स' में भारत की स्थिति में कुछ सुधार की बात तो जरूर सामने आयी है,लेकिन हमारी खुशी के सूचकांक को यूक्रेन, फिलीस्तीन, नेपाल व पाक से पीछे बताना गले नहीं उतरता। खुशी के मानक निर्धारण के जो पैमाने पश्चिमी देशों द्वारा इस्तेमाल किये जाते हैं, उनकी विश्वसनीयता व तार्किकता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हमारी प्रगति की राह पर सदियों की गुलामी के दंश अभी पूरी तरह मिटे नहीं हैं। निस्संदेह, देश में गरीबी है, बेरोजगारी बढ़ी है, महंगाई है, सामाजिक सुरक्षा में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। लेकिन तबाह हो चुका फिलीस्तीन, युद्ध में बर्बाद यूक्रेन व दुनिया में मदद मांगता फिरता पाकिस्तान खुशी के मामले में हम से आगे नहीं हो सकते। भले ही देश में आर्थिक विषमता हो, पूंजी का केंद्रीयकरण चंद हाथों में हो, लेकिन इसके बावजूद हम दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती आर्थिकी हैं। लेकिन इसके बावजूद दर्शाए खुशी के सूचकांक सरकारों को आईना दिखाते हैं कि हर नागरिक की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो, सामाजिक सुरक्षा मिले, काम के अवसर मिलें। मंथन हो कि हमारी रीति–नीतियों में कहां खोट रह गयी कि हम कथित खुशी के सूचकांक में गरीब मुल्कों के पीछे दर्शाए जा रहे हैं। हर राष्ट्रवादी व्यक्ति को ये बात चुभती है कि उसका देश खुशी के मानकों में पिछड़े देशों से भी क्यों पिछड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुश देश बताया जा रहा है। इसी कड़ी में डेनमार्क व स्वीडन भी हैं। ये विकसित देश भारत के एक शहर जितनी आबादी वाले देश हैं। इनके यहां साक्षरता दर ऊंची है व समृद्ध संसाधन उपलब्ध हैं। कहते भी हैं छोटा परिवार सुखी परिवार होता है। हमारे देश में प्रांतीय, जातीय व धार्मिक अस्मिता के नाम पर जनसंख्या बढ़ाने की दलीलें दी जा रही हैं। दुहाई दी जाती है कि हमारा धर्म इजाजत नहीं देता कि परिवार नियोजन अपनाया जाए। संसाधन सीमित हैं और खाने वाले मुंह लगातार बढ़ते जा रहे हैं। भ्रष्टाचार का मतलब है कि किसी के वाजिब हक का मारा जाना। शिक्षा,स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में हम यदि पिछड़े हैं तो कहीं न कहीं ये हमारे नीति–नियंताओं की विफलता भी है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विडंबना है कि मतदान का अधिकार रखने वाले चुनाव के दौरान योग्य प्रतिनिधियों के चयन से चूकते हैं। यही वजह कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में दागदार नुमाइंदों की उपस्थिति बढ़ती जा रही है। जब ऐसे तत्व हमारे भाग्य–विधाता बनेंगे तो खुशी कहां से आएगी? स्पष्ट है कि यदि हम खुशी के मानकों में खरे नहीं उतरे हैं तो नीतियां बनाने वालों को आत्ममंथन करना होगा।

# इंसान के भीतर ही खुशी का मंत्र

**रेनू सैनी**

**वैज्ञानिकों ने हमेशा खुश रहने वाले मैथ्यू के सिर पर 256 सेंसर लगाए ताकि उसकी खुशी के राज को जाना जा सके। ये रिसर्च 12 साल चली। वैज्ञानिकों ने जाना कि जब भी मैथ्यू ध्यान करते थे तो मस्तिष्क गामा तरंगें पैदा करता था। ये तरंगें ध्यान और स्मृति व खुशी को बढ़ाने में मदद करती हैं।खुशी एक ऐसा तत्व है जो अंतर्मन को जाग्रत करने से मिलती है। यह निःशुल्क है लेकिन फिर भी प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए ही दुनिया में लोग लाखों-करोड़ों खर्च करते हैं। उसके बाद भी प्रसन्नता की कोई गारंटी नहीं होती। लोगों का मानना है कि खुशी धन, यश से आती है। धन और यश क्षणिक वस्तुएं हैं। इनसे पूरे जीवन की खुशी प्राप्त करना असंभव है। हमारा मस्तिष्क एक इच्छा पूर्ण होने के बाद ही दूसरी इच्छाओं की पूर्ति में लग जाता है। इस तरह पहली वस्तु प्राप्ति की इच्छा और खुशी समाप्त हो जाती है। जो वस्तु अप्राप्य है उसकी कामना में हृदय मचलने लगता है। यही दुख का कारण बनता है।**

इसके अलावा भी दुखी होने के अनेक कारण होते हैं। जब हम काम करते हैं या फिर सामाजिक परिवेश के दौरान कई बार ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं जब हम पर शब्दों की मार पड़ती है। शब्दों की तुलना घातक और विषैले बाण से की जाती है। ये शब्द अंतर्मन को आहत कर देते हैं। बौद्ध मत कहता है कि नकारात्मक वाक्यों को तुरंत भुला देना चाहिए। इसके लिए बस यह मंत्र अपनाना चाहिए कि, 'कोई ध्यान न दें।' जब शब्दों पर ध्यान दिया जाता है तभी वह शिला की भांति हृदय में गड़ते प्रतीत होते हैं। उस ओर से ध्यान हटा कर अच्छी बातों को सोचने से तनाव और पीड़ा छूमंतर हो जाती है। कहते हैं कि, 'आठों पवन चलते हों तो भी ज़ेन मन नहीं डिगता।'

बौद्ध विवेक यही है कि स्वयं की वस्तुओं के मोह से दूर होना सीखें। शब्दों के घेरे में भी न घूमें। खुश रहना हमारे शरीर के रसायनों पर निर्भर करता है। शरीर में डेल्टा, थीटा, अल्फा, बीटा और गामा मस्तिष्क तरंगें होती हैं। इनमें से गामा मस्तिष्क तरंगों की आवृत्ति सभी तरंगों से अधिक होती है। गामा तरंगें उच्च स्तर के विचार और ध्यान से जुड़ी होती हैं। शोध बताते हैं कि यदि मस्तिष्क गामा तरंगों के उच्च स्तर उत्पन्न करता है, तो व्यक्ति अधिक खुश और ग्रहणशील होता है। गामा तरंगों का उच्च स्तर व्यक्ति को एकाग्र, प्रसन्न और कार्यशील स्मृति को अच्छा बनाता है।कभी न उदास होने वाले व्यक्ति हैं—मैथ्यू रिचर्ड। वे दुनिया के सबसे खुश इंसान हैं। उनका जन्म फ्रांस में हुआ था। खुशी की तलाश में उन्होंने फ्रांस को छोड़ दिया। वे तिब्बत पहुंच गए। यहां आकर वे दलाई लामा के फ्रेंच दुभाषिए का कार्य करने लगे। इस दौरान उन्हें बौद्ध धर्म से जुड़ी नई–नई बातें जानने को मिलीं। उन्होंने इस बात को महसूस किया कि किसी भी नकारात्मक बात पर ध्यान न देना बौद्ध विवेक है। अंग्रेजी में एक कहावत भी है कि, 'आउट ऑफ साइट, आउट ऑफ माइंड'। इसका अभिप्राय यह है कि आंखों और मन से ओझल बातों, वस्तुओं और व्यक्तियों को प्रायः भुला दिया जाता है। यदि इसे सकारात्मक तरीके से प्रयोग किया जाए तो यह बौद्ध विवेक व्यक्तियों की खुशी को जाग्रत करने का सबसे प्रमुख कारण बन सकता है।मैथ्यू ने ध्यान द्वारा अपने मस्तिष्क की गामा तरंगों को अधिक विकसित किया, फलस्वरूप उन्होंने खुश रहने में सफलता प्राप्त की। उनका मानना है कि, 'अब कोई भी बदलाव उन्हें उदास नहीं करता।' विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मैथ्यू के सिर पर 256 सेंसर लगाए ताकि उनके अंदर की हलचल को जाना जा सके। ये रिसर्च 12 सालों तक चली। उन्होंने जाना कि जब भी मैथ्यू ध्यान करते थे तो उनका मस्तिष्क गामा तरंगें पैदा करता था। ये तरंगें ध्यान और स्मृति को बढ़ाने में मदद करती हैं।

# गंभीर पहल से ही सुलझेगा मणिपुर संकट

**देविन्दर शर्मा**

**बी.एल. वोहरा**

**मणिपुर में कानून व्यवस्था पटरी पर लाने को केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन जैसे कदम उठाए जिनसे शांति की उम्मीद जगी है। हालांकि वहां समस्याएं राजनीतिक समाधानों से अधिक गहरी हैं। निस्संदेह, मई 2023 में जातीय हिंसा की वजह हाईकोर्ट के फैसले की गलत व्याख्या से उपजी गलतफहमी थी लेकिन कई अन्य कारण भी हैं।आखिरकार, भाजपा और उसके ज़रिए, भारत सरकार ने पिछले कुछ समय से मणिपुर में फैली अव्यवस्था को सुलझाने की दिशा में कुछ निर्णायक कदम उठाए हैं। सरकार ने पहले एक अनुभवी नौकरशाह को राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया, फिर भाजपा शासित मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को पद छोड़ने को कहा और चार दिन बाद 13 फ़रवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया।**

ये सभी कदम एक साथ और जल्दी–जल्दी उठाए गए। लेकिन काफी वक्त से यह लंबित था। स्वयं भाजपा और राज्य में भाजपा सरकार उम्मीद के विपरीत आस लगाए हुए थी कि 3 मई, 2023 को राज्य में हिंसा शुरू होने के बाद से सरकार ने जो कमज़ोर कदम उठाए हैं, उनसे मामले सुलझ जाएंगे। बीच–बीच में कुछ समय के लिए शांति काल के अलावा लंबे समय तक टकराव अनवरत जारी रहा। इसके चलते मैतेई और कुकी जातियों के बीच संबंध बहुत तनावपूर्ण हो गए।समस्या कई अन्य कारणों से भी बढ़ गई, जिसके विभिन्न पहलुओं पर गंभीर प्रभाव पड़े। दो कारण भाजपा को ठोस कदम उठाने से रोक रहे थे :- एक तो यह कि हम एक लोकतंत्र हैं, दूसरा यह कि राज्य में भी सत्ता उसी दल के पास थी, जिसकी केंद्र में सरकार है। ऐसे राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पार्टी के लिए शर्मिंदगी की वजह बनता क्योंकि इसका मतलब होगा कि खुद अपनी ही पार्टी की सरकार के कामकाज पर सवाल उठना। भविष्य की ओर देखते हुए, बहुत काम किए जाने की जरूरत है। सबसे पहले, समस्या की उत्पत्ति को देखें ताकि इससे निपटने में मदद मिल सके। म्यांमार में सैन्य शासन यानी जुंटा का अपने देश के संपूर्ण भूभाग पर, खासकर मणिपुर सीमा से लगते इलाके पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं है। इसके अलावा, हिंसा के कारण, गोल्डन ट्राइंगल नाम से कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय ड्रग व्यापार रूट पर, मुख्य रूप से मोरेह शहर और मणिपुर के क्षेत्र से होकर गुजरने वाला, असर हो रहा था क्योंकि म्यांमार में अफीम की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में कमी आई थी या विस्तार नहीं हो पाया था। कई कुकी और संबंधित जनजातियां अपने स्थानीय रिश्तेदारों की मदद से मणिपुर में, मुख्य रूप से कुकी बहुल चूड़ाचांदपुर क्षेत्र में आन बसे और उन्होंने मणिपुर में भी अफीम उगाना शुरू कर दिया। स्थानीय लोग भी इस मुनाफेदार खेती में उनके साथ लग गए।वे सरकार को पीछे हटने को मजबूर करना चाहते थे। उनके सौभाग्य से –और राज्य के दुर्भाग्य से– मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने वाली याचिका पर, मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा आए आदेश की गलत व्याख्या ने परेशानी पैदा करने का एक कारण प्रदान किया।27 मार्च, 2023 को जारी इस आदेश में कहा गया था :-' राज्य में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के लिए याचिकाकर्ताओं के मामले पर शीघ्रता से विचार किया जाना चाहिएज'। इसमें केवल याचिका पर विचार करने के लिए आदेश था, न कि मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए।

# आंवला-अदरक रोज़ खाओ, फैटी लिवर दूर भगाओ!

**आजकल की बिजी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कई बीमारियां घेर लेती हैं। इन्हीं में से एक समस्या फैटी लिवर की है। बता दें कि खाना ठीक से न पचना, थकान, पेट के ऊपरी सीधे हिस्से में दर्द, ब्लोटिंग, अधिक गैस बनना और उल्टी जैसा महसूस होना आदि फैटी लिवर के लक्षण होते हैं। आमतौर पर अनहेल्दी खानपान, फैट जमा होने और अनहेल्दी लाइफस्टाइल की वजह से यह समस्या होती है। ऐसे में इन लक्षणों को मैनेज करने के लिए व्यक्ति को अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करना चाहिए।**

आप खानपान में हेल्दी चीजों को शामिल करने के साथ लाइफस्टाइल से जुड़ी हेल्दी आदतों को अपनाकर फैटी लिवर की समस्या से बच सकती हैं। वहीं फैटी लिवर के लक्षणों को कम करने में अदरक और आंवला भी फायदेमंद होता है और यह लिवर हेल्थ में भी सुधार करता है। ऐसे में आप अदरक और आंवला को अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप इसको डाइट में किस तरह से शामिल कर सकते हैं।

**फैटी लिवर के लक्षणों को कम करने में आंवला और अदरक फायदेमंद हैं। ये लिवर हेल्थ सुधारते हैं, पाचन दुरुस्त रखते हैं और शरीर को डिटॉक्स भी करते हैं। जानें इन्हें अपनी डाइट में कैसे आसानी से शामिल करें**

आंवला और अदरक का ऐसे करें इस्तेमाल हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो फैटी लिवर के लक्षणों को मैनेज करने में अदरक और आंवला दोनों ही फायदेमंद होता है। आप इस समस्या से निजात पाने के लिए अदरक को पानी में उबालकर पी सकते हैं। वहीं कच्चा आंवला डाइट में शामिल कर सकती हैं।

आप चाहें तो खाली पेट कच्चे आंवले को काले नमक के साथ खा सकती हैं। आप इसका अधिक फायदा पाने के लिए 1 आंवला, एलोवेरा, आधा इंच अदरक, 1 लहसुन की कली और तुलसी की 4-5 पत्तियों को पानी के साथ ब्लेंड करके पिएं। आंवला में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी पाया जाता है। यह आपके लिवर को स्वस्थ रखने और इम्यूनिटी को बूस्ट करने में भी फायदेमंद होता है। बता दें कि आंवला लिवर डिटॉक्सिफिकेशन को बढ़ाता है और लिवर में जमा गंदगी को दूर करने में सहायक होता है। आंवले में एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं।

यह बॉडी में मौजूद इंफ्लेमेशन को कम करता है। वहीं अदरक पाचन तंत्र को मजबूत करता है और गैस और ब्लोटिंग की समस्या को कम करता है। साथ ही अदरक शरीर में जमा टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में भी मदद करती है।

लहसुन में एलिसिन और सेलेनियम जैसे कंपाउंड पाया जाता है, जो फैटी लिवर की समस्या को कम करने में मदद करता है। लहसुन में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, तो लिवर की सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में सहायक होता है।

एलोवेरा जूस लिवर हेल्थ के लिए अच्छा माना जाता है। यह शरीर को डिटॉक्स करता है और इसके एंटी ऑक्सीडेंट्स लिवर सेल्स को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।

तुलसी के पत्ते में हेपाटो प्रोटेक्टिव गुण पाया जाता है, जो लिवर को डैमेज होने से बचाता है। डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

# मुल्तानी मिट्टी का रखें ध्यान, न बिगड़े सौंदर्य!

## मुल्तानी मिट्टी का करें सही इस्तेमाल, गलत मिश्रण से न खोएं त्वचा का निखार, चमकदार ग्लो और प्राकृतिक सौंदर्य का कमाल!

**अपनी त्वचा की देखभाल करना भी काफी जरूरी होता है। आप मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल जरूर करते होंगे, लेकिन इसमें कुछ चीजों को मिलाकर आपकी त्वचा खराब हो सकती है। इससे आपको नुकसान भी हो सकता है, आइए आपको बताते हैं किन चीजों को नहीं मिलाना चाहिए।**

मुल्तानी मिट्टी जिसे फुलर अर्थ के नाम से भी जाना जाता है, यह एक प्राकृतिक मिट्टी है जिसका इस्तेमाल त्वचा की देखभाल में व्यापक रूप से किया जाता है क्योंकि इसमें तेल सोखने, सफाई करने और ठंडक देने के बेहतरीन गुण होते हैं। सिलिका और कैल्शियम जैसे खनिजों से भरपूर होते हैं, जो सदियों से आयुर्वेदिक और पारंपरिक सौंदर्य उपचारों में एक मुख्य तत्व बन गया है। घरों में लोग मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक जरुर लगाते हैं। मुल्तानी मिट्टी से प्रयोग हम सभी करते हैं, मुल्तानी मिट्टी में ऐसे इंग्रीडिएंट्स मिला देते हैं, जिससे स्किन खराब हो जाती है। बेकिंग सोडा कभी भी मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक बनाने के लिए उसमें बेकिंग सोडा मिक्स नहीं करना चाहिए। बेकिंग सोडा का पीएच 9 होता है, जो स्किन के लिए अल्कलाइन होता है। इसके प्रयोग से आपकी स्किन बहुत अधिक रूखी व इरिटेड स्किन कर देता है।

### नींबू का रस

मुल्तानी मिट्टी फेस पैक बनाते समय नींबू का रस नहीं मिलाना चाहिए। क्योंकि नींबू के रस में पीएच काफी मात्रा में पाया जाता है। जिस कारण से एसिडिक होता है। वहीं, मुल्तानी मिट्टी अल्कलाइन होता है। इसलिए इन दोनों को आपस में ना मिलाएं। वरना आपके चेहरे पर रेडनेस की शिकायत हो सकती है।

### चीनी या नमक

जब भी आप घर पर मुल्तानी मिट्टी का स्क्रब बना रहे हैं, चीनी या नमक मिक्स ना करें। यह आपकी स्किन को खराब कर सकती है। आपको रेडनेस और जलन के साथ-साथ प्री-मैच्योर एजिंग की शिकायत हो सकती है।

# बैटरी डाउन, फोन गरमाए? जासूसी का शक सताए!

**फोन के पुराने सॉफ्टवेयर और ऐप्स में कई सिक्योरिटी खामियां हो सकती हैं, जिनका फायदा साइबर अपराधी उठा सकते हैं। इसलिए अपने फोन के सॉफ्टवेयर और सभी ऐप्स को नियमित रूप से अपडेट करते रहें। हर महीने मिलने वाले 卐सिक्योरिटी पैच卐 को इंस्टॉल करें, जिससे फोन की सिक्योरिटी मजबूत बनी रहे।**

आज के डिजिटल युग में स्मार्टफोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। लेकिन इसके साथ ही डेटा चोरी और प्राइवेसी ब्रीच का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। कई बार हमें इसका पता भी नहीं चलता और हम साइबर हमले के शिकार बन जाते हैं। यदि आपका फोन अचानक गर्म होने लगे, बैटरी तेजी से ड्रेन हो या बिना वजह ऐप्स बैकग्राउंड में काम कर रहे हों, तो यह संकेत हो सकते हैं कि आपका फोन स्पाइंग का शिकार हो चुका है।

हालांकि, कुछ सेटिंग्स और सावधानियों को अपनाकर आप अपने स्मार्टफोन को सुरक्षित रख सकते हैं और स्पाइंग को रोक सकते हैं। आइए जानते हैं वे जरूरी कदम, जिनसे आप अपने फोन की प्राइवेसी को सुरक्षित कर सकते हैं। ऐप परमिशन मैनेज करें स्मार्टफोन में कई ऐप्लिकेशन कैमरा, माइक्रोफोन और स्टोरेज का एक्सेस मांगते हैं। कई बार हम बिना सोचे-समझे इन्हें परमिशन दे देते हैं, जिससे ये ऐप्स हमारी बातें सुन सकते हैं और डेटा चुरा सकते हैं।

इसे रोकने के लिए अपने फोन की सेटिंग्स में जाएं और सिक्योरिटी एंड प्राइवेसी के ऑप्शन पर क्लिक करें। वहां से परमिशन मैनेजर में जाकर उन ऐप्स की लिस्ट चेक करें जिन्हें माइक्रोफोन और कैमरा एक्सेस दिया गया है। अनावश्यक परमिशन को तुरंत हटा दें। फोन के पुराने सॉफ्टवेयर और ऐप्स में कई सिक्योरिटी खामियां हो सकती हैं, जिनका फायदा साइबर अपराधी उठा सकते हैं। इसलिए अपने फोन के सॉफ्टवेयर और सभी ऐप्स को नियमित रूप से अपडेट करते रहें। हर महीने मिलने वाले सिक्योरिटी पैच को इंस्टॉल करें, जिससे फोन की सिक्योरिटी मजबूत बनी रहे।

वॉइस असिस्टेंट को बंद करें गूगल असिस्टेंट, सिरी या एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट हमारी आवाज सुनकर कमांड एक्सीक्यूट करते हैं, लेकिन कई बार ये ऐप्स अनजाने में हमारी बातें रिकॉर्ड कर सकते हैं। इसलिए यदि इसकी जरूरत न हो तो इसे सेटिंग्स में जाकर डिसेबल कर दें। इससे वॉइस लिसनिंग का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा।

### थर्ड पार्टी ऐप की निगरानी करें

अनजान वेबसाइट या थर्ड पार्टी ऐप स्टोर्स से ऐप्स डाउनलोड करने से बचें। ऐप इंस्टॉल करने के बाद उन्हें केवल वही परमिशन दें जो जरूरी हों। गैरजरूरी एक्सेस को तुरंत ब्लॉक करें। फोन को समय-समय पर रीबूट करें कुछ मैलवेयर फोन की मेमोरी में छिपकर काम करते रहते हैं, जिससे वे बैकग्राउंड में आपकी गतिविधियों की जासूसी कर सकते हैं।

ऐप्स को एक्सेस देने से पहले सोचें, अनावश्यक फीचर्स को डिसेबल करें और हमेशा सतर्क रहें। छोटी-छोटी सावधानियां आपके निजी डेटा को सुरक्षित रखने में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं।

# कानपुर में ऑपरेशन ‘ब्लैकआउट’ की मॉक ड्रिल सफल

## शहर ने दिखाया अनुशासन

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

**कानपुर। कानपुर शहर में मंगलवार रात 9:30 से 10:00 बजे के बीच ‘ऑपरेशन ब्लैकआउट’ के तहत आयोजित मॉक ड्रिल ने शहरवासियों के अनुशासन और जागरूकता की मिसाल पेश की। इस ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को तैयार करना और सुरक्षा व्यवस्था को परखना था। इस दौरान शहर में अंधेरा छाया रहा, और पुलिस प्रशासन ने युद्ध स्तर पर व्यवस्था को सुनिश्चित किया।रात 9:15 बजे सायरन बजने के साथ ही ब्लैकआउट की शुरुआत हुई। लोग घरों में लाइटें बंद कर खिड़कियों पर पर्दे डालते नजर आए।**

झकरकटी बस अड्डा
जी.टी. रोड
कानपुर विकास प्राधिकरण
YES
PAN PARAG

सार्वजनिक स्थानों पर बिजली बंद रही, और वाहन चालकों ने अपनी गाड़ियों की लाइटें बंद कर सड़क किनारे खड़े होकर सहयोग किया। डीसीपी (पूर्वी) श्रवण कुमार सिंह स्वयं सड़कों पर उतरे और पूरे ऑपरेशन की निगरानी की। सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में कमान संभालकर व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा।कानपुर नगर पुलिस ने ई-रिक्शा और साउंड बॉक्स के माध्यम से मोहल्लों में पहले से ही जागरूकता अभियान चलाया था, जिसका असर स्पष्ट दिखा। सूफी खानकाह एसोसिएशन ने भी इस ड्रिल को सफल बनाने के लिए प्रशासन और सेना को बधाई दी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस तरह की मॉक ड्रिल से न केवल आपात स्थिति में तैयार रहने का आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि सामुदायिक एकता भी मजबूत होती है।हालांकि, कुछ क्षेत्रों में सायरन की आवाज स्पष्ट सुनाई नहीं दी, लेकिन नागरिकों ने स्वतः बिजली बंद कर अपनी जिम्मेदारी निभाई। प्रशासन ने इस ड्रिल को भविष्य में और बेहतर बनाने के लिए फीडबैक लेने की बात कही। यह मॉक ड्रिल कानपुर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई, जिसने शहर की सुरक्षा और नागरिकों की तत्परता को रेखांकित किया वहीं दूसरी ओर नगर निगम विभाग की घोर लापरवाही दिखाई पड़ी जो घंटाघर चौराहे में स्ट्रीट लाइट जलती रही  इस दरमियान सेल्टर होम की डिस्प्ले भी जलता रहा यह भी एक चर्चा का विषय बना रहा है।

# शादी वाले घर में लगी आग, जिंदा जलकर बच्चे की मौत

## रो-रोकर परिजन बदहवास, पोस्टमार्टम से इंकार

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

कानपुर। सनिगवां में शादी वाले घर में आग लगने से कमरे में मौजूद पांच साल का बच्चा जिंदा जल गया। बच्चा अपनी मौसी की शादी में मां और बड़े भाई के साथ नाना के घर आया था। लखनऊ के सकरा गांव निवासी अमानत चट्टा संचालक हैं। उनका पांच साल का बेटा जमान था। परिजनों ने बताया कि जमान के नाना सनिगवां संदीपनगर निवासी करीम की बेटी और जमान की मौसी नसरीन की 10 मई को शादी थी।

जिसके चलते वह बीते मंगलवार को अपनी मां चांदनी और बड़े भाई आठ वर्षीय शाद के साथ नाना के घर आया था। परिजनों ने बताया कि बुधवार दोपहर को जमान बच्चों के साथ कमरे में खेल रहा था। घर के  बाकी लोग शादी की तैयारियों में लगे थे। इसी दौरान संदिग्ध हालात में अचानक कमरे में आग लग गई। इस पर दो बच्चे तो भाग निकले लेकिन जमान कमरे में फंस गया।

थाना चकेरी, कानपुर नग

आग की चपेट में आने से कमरे में रखा दहेज का सारा सामान और जमान जल गया। दमकल और पुलिस को सूचना दी गई। दमकल की एक गाड़ी ने आग बुझायी। सनिगवां चौकी प्रभारी जमान को कांशीराम ट्रामा सेंटर ले गए। जहां पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जमान की मौत से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों ने बच्चे का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है।

# यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण मेधावी छात्राओं का किया गया सम्मान

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

**कानपुर। विष्णुपूरी आजाद नगर स्थित दुर्गावती दुर्गा प्रसाद सनातन धर्म बालिका विद्यालय में यूपी बोर्ड की परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मेधावी छात्राओं को मुख्य अतिथि चार्टर्ड अकाउंटेंट पूजा खन्ना ने प्रतीक चिन्ह , प्रमाण पत्र एवं नगद धनराशि देकर सम्मानित किया। सम्मान पाकर मेधावी छात्राओं के चेहरों में खुशी साफ झलक रही थी।**

सम्मान समारोह दुर्गावती दुर्गा प्रसाद सनातन धर्म बालिका विद्यालय प्रांगण में संपन्न हुआ था। विद्यालय की करीब 40 छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत एवं धन्यवाद विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती नम्रता सिंह ने प्रतीक चिन्ह देकर किया जबकि कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका प्रतिमा सिंह ने किया।

इस मौके पर विद्यालय की 19 अध्यापिकाओं के साथ-साथ 20 लोगों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य श्रीमती नम्रता सिंह ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वह अपनी बेटियों को इतना शिक्षित करें कि उन्हें किसी के आगे झुकना न पड़े। नारी शक्ति का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार भी युवतियों एवं महिलाओं को आगे बढ़ने का मौका दे रही है हमें ऐसे मौके का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया बल्कि उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की। और सभी शिक्षकों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

---

# गौरियापुर के शेषनारायण गुप्ता का अनुदेशक के पद पर चयन

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

कानपुर देहात। प्रदेश में प्रशिक्षण एवं सेवायोजन विभाग के अंतर्गत विभिन्न व्यवसाय के 2504 पदों की भर्ती के क्रम में मंगलवार को अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने एनटीसी व एनऐसी भर्ती का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। जिसमें जिले में अकबरपुर के गौरियापुर निवासी श्याम बाबू गुप्ता के सुपुत्र शेष नरायण गुप्ता का आईटीआई के अनुदेशक के पद पर चयन हुआ। जिससे परिवार में हर्ष एवं खुशी माहौल है, पिछले वर्ष छोटे बेटे का चयन रेलवे में टेक्नीशियन के पद पर हुआ था। इस मौके पर आशीष गुप्ता संजू धर्मेंद्र सिंह, ओम नारायण ,संतोष, शैलेश शर्मा, रामविलास, दीपू ,कन्हैया आदि लोगों ने शुभकामनाएं दी

---

# सिंचाई विभाग की उथली बोरिंग धांधली में कई इंजीनियरों पर होगी कार्रवाई

## कई बड़े अफसरों और इंजीनियरों पर गिर सकती है गाज

**स्वराज इंडिया ब्यूरो**

कानपुर देहात । लघु सिंचाई विभाग द्वारा वर्ष 2022-23 के दौरान उथली बोरिंग के नाम पर किए गए घोटाले में अब कार्रवाई की गूंज सुनाई देने लगी है। जिलाधिकारी आलोक कुमार सिंह के निर्देशन में हुई जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद शासन ने तत्कालीन अधिशाषी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, पांच अवर अभियन्ता, 16 बोरिंग टेक्नीशियन और दो सहायक बोरिंग टेक्नीशियन के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू कर दी है।

### जनहित की योजनाओं में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

जांच में सामने आया कि बोरिंग कार्यों में निर्धारित गहराई और गुणवत्ता के मानकों की अनदेखी की गई, साथ ही फर्जी भुगतान और सरकारी धन के दुरुपयोग के भी प्रमाण मिले। जिलाधिकारी आलोक सिंह ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं में लापरवाही या भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन अब यह भी सुनिश्चित करेगा कि भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताएं दोबारा न हों।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# राजस्व वसूली में तेजी लाएं, कार्ययोजना बनाकर काम करें

## जिलाधिकारी आलोक सिंह ने समीक्षा बैठक कर दिए सख्त निर्देश

**स्वराज इंडिया ब्यूरो**

कानपुर देहात। कलेक्ट्रेट स्थित मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्टांप, आबकारी, वाणिज्यकर, परिवहन, विद्युत, वन, खनिज, बाट-माप सहित अन्य विभागों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप राजस्व वसूली सुनिश्चित करें। सभी विभागों को हर माह कार्ययोजना बनाकर वसूली करने और बैकलॉग से बचने के निर्देश दिए गए। तहसीलवार समीक्षा करते हुए डीएम ने खतौनी अद्यतन, वरासत व नामांतरण जैसे मामलों के त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण की सख्त हिदायत दी।

**अवैध कब्जों पर सख्ती, जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण अनिवार्य**

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। ऐसे मामलों को चिन्हित कर त्वरित और कठोर कार्रवाई की जाए। राजस्व वाद, स्टांप वाद, बेदखली और आडिट आपत्तियों के समाधान में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो। साथ ही आईजीआरएस, तहसील दिवस और सीएम हेल्पलाइन से जुड़ी जनशिकायतों को समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ निस्तारित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित के मामलों में लापरवाही करने वालों की जवाबदेही तय की जाएगी और राजस्व कार्यों में पारदर्शिता व संवेदनशीलता अनिवार्य होनी चाहिए।

---

# 'सरकारी मरम्मत या मज़ाक?'

### » मरम्मत के नाम पर पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों का चल रहा खेल

### बजरी बता रही सिस्टम का सड़ा सच!

**स्वराज इंडिया ब्यूरो**

कानपुर देहात । ब्लॉक मलासा स्थित मोहम्मदपुर गांव को जोड़ने वाली सड़क की मरम्मत पर सात से आठ लाख रुपये खर्च किए गए थे। 850 मीटर लंबे इस सड़क खंड को हाल ही में लोक निर्माण विभाग द्वारा मरम्मत किया गया, लेकिन महज एक महीने के भीतर ही सड़क जगह-जगह से उखड़ने लगी और गड्ढों में तब्दील हो गई। इससे साफ जाहिर होता है कि निर्माण कार्य में मानक और गुणवत्ता की अनदेखी की गई। प्रदेश सरकार भले ही सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का दावा कर रही हो, लेकिन ज़मीनी हकीकत इसके ठीक उलट है।

**जिम्मेदार अधिकारी बोले कराई जाएगी जांच-**

जब इस मामले को लेकर अधिशासी अभियंता हेमंत कुमार सिंह से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि उन्हें इस सड़क की दुर्दशा की जानकारी नहीं है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराई जाएगी और अगर ठेकेदार की लापरवाही सामने आती है तो उस पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

---

# दारोगा ने पेश की मानवता की मिसाल

## डूबते को बचाने के लिए उतरा वर्दीधारी पुलिस कर्मी

**स्वराज इंडिया ब्यूरो**

कानपुर देहात। इंसानियत और फर्ज की एक मिसाल उस समय देखने को मिली जब मंगलपुर थाना क्षेत्र के झींझक कस्बे में एक युवक ने नहर में छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद झींझक चौकी इंचार्ज लक्ष्मण सिंह ने बिना एक पल गंवाए अपनी वर्दी उतारी और युवक की जान बचाने के लिए नहर में छलांग लगा दी।50 वर्षीय कुंवर बहादुर उर्फ राजू चौहान, निवासी बुद्ध नगर शंकरगंज, पारिवारिक कलह से परेशान होकर यह आत्मघाती कदम उठा बैठा। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे और स्थिति की गंभीरता को समझते हुए खुद पानी में उतर गए। करीब डेढ़ घंटे तक लगातार प्रयास करते हुए उन्होंने युवक के शव को बाहर निकाला। शव के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। राजू चौहान, स्व. तेज बहादुर सिंह चौहान का पुत्र था। घटना के बाद पत्नी मंजू देवी और अन्य परिजन बदहवास हो गए। पूरे इलाके में शोक की लहर है, वहीं दरोगा लक्ष्मण सिंह की बहादुरी की हर ओर सराहना हो रही है।

पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और घटना की हर पहलू से जांच की जा रही है। जनमानस ने कहा कि ऐसे जांबाज अफसर ही वर्दी की साख को कायम रखते हैं।

# प्राकृतिक सौंदर्य का अड्डा बना सूरतगंज का अमृत सरोवर

» चारो ओर हरियाली व बैठने उठने की व्यवस्थाएंओ के चलते कस्बा के लोग यहां आकर लुप्त लेते हैं

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

**सूरतगंज( बाराबंकी)।** सूरतगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत सूरतगंज में अमृत सरोवर निबाऊ तालाब अब न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र बनता जा रहा है, बल्कि श्रद्धालुओं की आस्था का भी प्रतीक बन रहा है। अन्य ग्राम पंचायतों में बने अमृत सरोवर टक्कर नही दे पा रहे है , काहे की यहां के प्रधान ने भारत सरकार के द्वारा चलाए गए अभियान के अंतर्गत देखने योग्य बनता है , चारो ओर हरियाली व बैठने उठने की व्यवस्थाएंओ के चलते कस्बा के लोग यहां आकर लुप्त के साथ यहां के नजारे का आनंद लेते है। तो वही अमृत सरोवर के बीचों बीच एक वर्ष पूर्व ग्राम प्रधान के द्वारा स्थापित की गई भगवान शिव की भव्य प्रतिमा ग्रामवासियों के आकर्षण और पूजा अर्चना का केंद्र बनी हुई है।

इस समस्या को ध्यान में रखते हुए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अरविंद कुमार ( गुड्डू) बारी की अगुवाई में निजी खर्चे से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अमृत सरोवर के बीच स्थापित की गई शिव प्रतिमा तक श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम मार्ग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक छोटे से पुल निर्माण के लिए बिम ढालने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। हालांकि प्रतिमा तक पहुंचने का कोई मार्ग न होने के कारण श्रद्धालुओं को पूजा-पाठ में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह और प्रसन्नता का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहल न केवल धार्मिक आस्था को और सुदृढ़ करेगी, बल्कि क्षेत्र के सौंदर्य और सांस्कृतिक महत्त्व को भी बढ़ावा देगी। ग्रामवासियों ने प्रधान प्रतिनिधि अरविंद कुमार ( गुड्डू) बारी के इस अथक प्रयास की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि शीघ्र ही यह पुल बनकर तैयार होगा, और इस सावन में भगवान शिव की प्रतिमा तक पहुँचने के लिए श्रद्धालुओं को सुविधाजनक मार्ग प्रदान होगा। जिससे लोग पूजा अर्चना कर जल चढ़ा सकेंगे।

अमृत सरोवर
आगमन पर धन्यवाद
अमृत सरोवर
निंबऊ तालाब

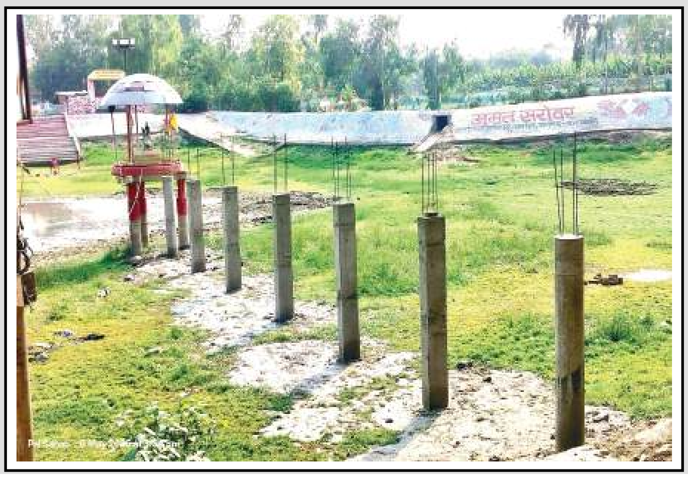

# बाराबंकी: भारत में अवैध रूप से रह रही बांग्लादेशी महिला को हिरासत में लिया गया

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

**बाराबंकी।** बाराबंकी जिले के फतेहपुर क्षेत्र से एक बांग्लादेशी महिला को उसके पर्यटक वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से भारत में रहने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि खुफिया ब्यूरो और अन्य जांच एजेंसियां महिला से पूछताछ कर रही हैं।

उसने बताया कि दुबई में नौकरी करने वाले जिले के हसनपुर टांडा गांव के निवासी सलमान ने दो वर्ष पहले बांग्लादेश जाकर अपने दोस्त की बहन आसमाउल (27) से निकाह कर लिया था और बाद में पर्यटक वीजा पर उसे अपने साथ गांव ले आया।पुलिस ने बताया कि 29 अगस्त 2023 को सलमान ने गांव में उससे फिर निकाह रचा लिया। उसने बताया कि जनवरी 2024 में आसमाउल के वीजा की अवधि समाप्त हो गई। इस बीच, बांग्लादेशी महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। उसने बताया कि सलमान अपनी 10 माह की बेटी के जन्म प्रमाणपत्र के लिए प्रयास कर रहा था, तो बच्ची की मां का आधार कार्ड मांगा गया।

जिसके बाद ग्रामीणों को महिला के बांग्लादेशी होने की बात पता चली। ग्रामीणों की शिकायत पर बीते मंगलवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी जगतराम कन्नौजिया के नेतृत्व में हसनपुर टांडा पहुंची। पुलिस टीम आसमाउल को अपने साथ कोतवाली ले आई और पूछताछ में उसने मामले का खुलासा किया। पुलिस को उसके पास से बांग्लादेश का पहचान पत्र भी मिला है। उसने बताया कि सूचना पर अभिसूचना ब्यूरो तथा खुफिया विभाग की टीम भी फतेहपुर पहुंचीं और आसमाउल से जरूरी जानकारी हासिल कर उसे जिले के वन स्टाप सेंटर पहुंचाया, जहां जांच एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं। पुलिस ने बताया कि आसमाउल बांग्लादेश के कोमिला जिले की निवासी है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने मामले की जानकारी दूतावास को दे दी है और आगे की कार्रवाई दूतावास के निर्देशानुसार होगी।

# हमने पाकिस्तान की मांद में घुसकर सबक सिखाया

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारतीय सेना के पाकिस्तान में पल रहे आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिये किये गये आपरेशन सिंदूर से काफी खुश हैं। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर योगी कहते हैं देश बदल रहा है। आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है। हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम है। सीएम नेकहा अभी कल ही दुनिया ने देखा कि हमने पाकिस्तान की मांद में घुसकर सबक सिखाया। ये विकसित भारत है और हमारा तो इतिहास रहा है कि हमने कभी किसी दूसरे देश में घुसकर हस्तक्षेप नहीं किया है। हम किसी को छेड़ते नहीं है पर जो हमें छेड़ता है हम उसको छोड़ते भी नहीं है।**

» भारतीय सेना के पाकिस्तान में पल रहे आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिये किये गये आपरेशन सिंदूर से काफी खुश हैं योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में सहायक अध्यापकों व प्रवक्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में नौकरी पाने के लिए सिफारिश की जरूरत नहीं है। पूरी चयन प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी है। 2017 के पहले माध्यमिक शिक्षा की हालत अच्छी नहीं थी। हमने इसमें नवाचार किए और अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी उन्होंने कहा कि बदलते भारत में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक नवाचार करें। समय पर कक्षा पहुंचे और बच्चों के पाठ्यक्रम को उबाऊ न होने दें। उनके सामने अच्छा आचरण करें क्योंकि ये वर्तमान पीढ़ी के साथ ही भविष्य की पीढ़ी के लिए भी जरूरी है। देश की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है। यहां प्रतिभा, पोटेंशियल की कमी पहले भी नहीं थी किंतु सही दृष्टि नहीं थी। आज यूपी सरप्लस स्टेट है। आज नियुक्ति पत्र पाने वाले युवा युवा विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में अपना योगदान दें। शिक्षक नवाचार करें, एनईपी को बेहतर तरीके से लागू करें। समारोह में माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि और सभी शिक्षकगण मैं आप सबका इस कार्यक्रम में अभिनंदन करते हुए नवनियुक्त शिक्षकों को हृदय से बधाई देती हूं। मुख्यमंत्री के निर्देशन में माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में चयनित 49 प्रवक्ताओं तथा 494 सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि कर गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से निष्पक्ष व पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षकों का चयन और समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए शैक्षणिक व्यवस्था में परिवर्तन किया जा रहे हैं।

# प्रभारी प्रधानाध्यापकों के लिए हाईकोर्ट डबल बेंच का आया निर्णय

## कोर्ट ने कहा कि प्रभारी प्रधानाध्यापकों को दिया जाए प्रधानाध्यापक का वेतन

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की इलाहाबाद हाईकोर्ट डबल बेंच ने दर्जनों याचिकाओं को निस्तारित करते हुए टीचरों को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने कहा है कि प्रधानाध्यापक का काम कर रहे शिक्षकों को हेड मास्टर पद का वेतन पाने का अधिकार है। अब ऐसे टीचरों को एरियर भी मिलेगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि लंबे समय से प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में हेड मास्टर पद की जिम्मेदारी संभाल रहे सहायक अध्यापक हेड मास्टर पद का वेतन पाने के हकदार हैं।**

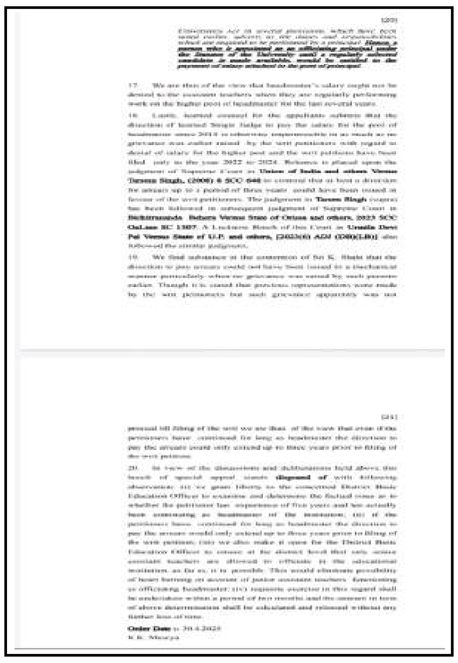

कोर्ट ने बेसिक शिक्षा परिषद को निर्देश दिया है कि ऐसे सहायक अध्यापक जिनके पास पांच वर्ष का अनुभव है और वह वास्तव में हेड मास्टर के पद पर संस्थान में काम कर रहे हैं उनको हेड मास्टर पद के वेतन का भुगतान किया जाए हालांकि की कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है की लंबे समय से हेड मास्टर पद की जिम्मेदारी संभालने के बावजूद याचियो को हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने के तीन वर्ष पूर्व से ही बकाया एरियर का भुगतान किया जाएगा। कोर्ट ने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि वह हेड मास्टर पद की जिम्मेदारी सिर्फ वरिष्ठ सहायक अध्यापकों को ही सौंपे। सचिव बेसिक शिक्षा परिषद की दर्जनों विशेष अपीलों को निस्तारित करते हुए यह आदेश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति प्रवीन कुमार गिरी की खंडपीठ ने दिया है। बेसिक शिक्षा परिषद की विशेष अपील में एकल न्याय पीठ के उसे आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें एकल पीठ ने प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यवाहक हेड मास्टर के पद पर कार्य कर रहे अध्यापकों को हेड मास्टर पद का वेतन देने का आदेश दिया था। एकल पीठ ने ऐसे अध्यापकों को उच्च वेतन मान पाने का हकदार माना था जो 2014 अथवा लंबे समय से हेड मास्टर पद का काम देख रहे हैं मगर उनको सहायक अध्यापक का ही वेतन दिया जा रहा था।

परिषद की अपील में कहा गया की विद्यालयों में अध्यापकों की संख्या शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 द्वारा संचालित होती है जिसमें छात्र संख्या के हिसाब से विद्यालय में अध्यापकों की न्यूनतम संख्या का निर्धारण किया गया है। ज्यादातर प्राथमिक विद्यालयों में छात्र संख्या 150 और जूनियर हाई स्कूल में 100 से कम है इसलिए वहां हेड मास्टर का कोई पद नहीं है ऐसे में हेड मास्टर पद का वेतन देने का प्रश्न नहीं उठाता है । ज्यादातर विद्यालयों में हेड मास्टर की आवश्यकता नहीं है। इसका विरोध करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता वीके सिंह और अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी का कहना था कि जहां प्रबंधन किसी व्यक्ति को उच्च पद पर प्रोन्नत करता है तो संबंधित कर्मचारियों को उस पद की जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करना होता है इसलिए वह उस प्रोन्नत पद का वेतन पाने का हकदार है। यह भी कहा गया कि सभी याचीगण प्रतियोगी परीक्षा पास करके सहायक अध्यापक पद पर चयनित हुए हैं तथा पद की सभी अहर्ताएं रखते हैं। वह हेड मास्टर होने के योग्य हैं। याचीगण की नियुक्ति 2014 में एनसीटीई द्वारा किए गए संशोधन से पूर्व में हुई है इसलिए उन पर टीईटी उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता लागू नहीं होती है। कोर्ट ने कहा कि आरटीई एक्ट 2009 में न्यूनतम संख्या का निर्धारण इसलिए किया गया है ताकि शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखा जा सके। एक्ट में ऐसा कुछ नहीं है कि छात्रों की संख्या कम होने से पद अपने आप काम हो जाएंगे। कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए याचियों को हेड मास्टर पद के वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया है।

### इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (इबजा) के कॉन्क्लेव में बोले योगी

# दु:साहस करने वालों के मंसूबे को चकनाचूर कर देती है यूपी पुलिस

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज प्रदेश में सुरक्षा का बेहतरीन माहौल है। यह अपराध और माफिया मुक्त प्रदेश बन चुका है। सबको पता है कि दु:साहसियों के दु:साहस को यूपी पुलिस मिनटों में चकनाचूर कर देती है। सीएम योगी ने जेम एंड ज्वैलरी से जुड़े व्यापारियों को आश्वस्त किया कि सरकार हर कदम पर आपके साथ है।**

सीएम योगी ने गुरुवार को लखनऊ के होटल क्लार्क अवध में आयोजित इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (इबजा) के कॉन्क्लेव में ये बातें कहीं। अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा, बीते आठ साल में राज्य की अर्थव्यवस्था और कानून व्यवस्था को मजबूत करने में हुई उल्लेखनीय प्रगति की विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने एसोसिएशन से आग्रह किया कि वे उत्तर प्रदेश में जेम्स एंड ज्वैलर्स पार्क की स्थापना के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार करें। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ावा देगा, बल्कि सरकार के आठ साल बेमिसाल अभियान को गति देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## आर्थिक विकास में जेम्स एंड ज्वैलर्स का महत्वपूर्ण योगदान

सीएम योगी ने जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग की भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र देश की जीडीपी में 7 प्रतिशत का योगदान देता है और आयात शुल्क तथा जीएसटी के माध्यम से भी इसका योगदान अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग न केवल आर्थिक विकास में योगदान देता है, बल्कि रोजगार सृजन और वैश्विक बाजार में भारत की पहचान को भी मजबूत करता है।

## यूपी में सुरक्षा और कानून व्यवस्था में हुआ है सुधार

मुख्यमंत्री ने पिछले एक दशक में देश और विशेष रूप से पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में सुरक्षा और कानून व्यवस्था में आए सकारात्मक बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आठ साल पहले यूपी में कानून व्यवस्था की स्थिति बदहाल थी। पर्व-त्योहारों पर अशांति, दंगे और व्यापारियों व बेटियों की असुरक्षा आम थी। लेकिन 2017 में जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताते हुए बीजेपी को जनादेश दिया। आज यूपी न केवल दंगा मुक्त, बल्कि माफिया मुक्त भी हो गया है। सभी पर्व-त्योहार चाहे वे किसी भी जाति या धर्म से संबंधित हों, शांति और सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं। इस बेहतर माहौल ने व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाई हैं। उन्होंने कहा कि आज यूपी में वर्ल्ड-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर और सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो व्यापारियों के लिए अनंत संभावनाएं प्रदान करती हैं।

सीएम योगी ने जेम्स एंड ज्वैलर्स पार्क की स्थापना का आह्वान करते हुए इसे यूपी की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इबजा से एक ऐसा मॉडल तैयार करने का आग्रह किया, जिसमें डिजाइन, तकनीक, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, सप्लाई चेन और निर्यात को शामिल किया जाए।

उन्होंने कहा कि यूपी 25 करोड़ की आबादी वाला विशाल राज्य है और आसपास के क्षेत्रों को जोड़कर यह 30 करोड़ लोगों के व्यापार, रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा की जरूरतों को पूरा करता है। सीएम ने कहा कि

## » जेम्स एंड ज्वैलर्स पार्क की स्थापना का किया आह्वान

इस बाजार का लाभ उठाने के लिए हमें आधुनिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार सुरक्षा और संवाद के माध्यम से व्यापारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगी।

## गिनाईं यूपी की उपलब्धियां

मुख्यमंत्री ने यूपी की आर्थिक प्रगति के आंकड़े साझा करते हुए कहा कि 1947 से 2017 तक यूपी की अर्थव्यवस्था 12.75 लाख करोड़ रुपये थी, जो आज बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि 70 साल में हम जहां पहुंचे थे, आज हम आठ साल में उससे 150 प्रतिशत आगे निकल गए हैं। प्रति व्यक्ति आय जो 2017 में 46 हजार रुपये थी, अब 1.10 लाख रुपये हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि 2017 में यूपी देश की सातवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन आज यह दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पहले बीमारू राज्य के रूप में जाना जाने वाला यूपी आज देश का ग्रोथ इंजन बन चुका है।

---

# राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन की कार्यकारिणी का गठन

### संगठन ने सूचना निदेशक से मिलकर ज्ञापन दिया

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**लखनऊ। राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का बीते बुधवार को गठन हुआ, जिसके अध्यक्ष कतील शेख द्वारा अपनी गठित राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के रूप में दानिश वारसी, विधि सलाहकार के रूप में वरिष्ठ पत्रकार श्री दिनेश कुमार, सचिव पूर्वान्शी पाठक, उपसचिव शुभम राजपूत, कोषाध्यक्ष तुषार साहू, कार्यकारिणी सदस्य विकास सिंह, क्षितिज कांत, नागेंद्र प्रताप सिंह, हरीश सोनी, अजय उपाध्याय को शामिल किया।**

राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष कातिल शेख द्वारा बताया गया कि नई कार्यकारिणी के गठन के साथ शामिल करके पत्रकारों की समस्या वो सुरक्षा से शासन व उत्तर प्रदेश सरकार को अवगत कराने के साथ ही जूझ रहे पत्रकारों की समस्याओं को दूर कराने का प्रयास किया जाएगा।

इसी के साथ ही पत्रकारों के उत्पीड़न पर संगठन सदैव तत्पर होकर संघर्ष करेगा और शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद हो रहे पत्रकारों पर फर्जी मुकदमो पर रोक के साथ ही उनकी सुरक्षा के लिए शासन व सरकार स्तर पर पुरजोर पैरवी की जाएगी।

---

# जेपी एनआईसी सरकार बेच रही तो सपा खरीदने को तैयार

### सपा मुखिया अखिलेश यादव का योगी सरकार को ऑफर

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**राजधानी लखनऊ में बनाए गए जेपी एनआईसी सेंटर को लेकर गुरुवार को अखिलेश यादव ने योगी सरकार को बड़ा ऑफर दे दिया। अखिलेश ने कहा कि जिस तरह से सरकार कई सरकारी एसेट बेच दिए हैं, अगर जेपी एनआईसी भी बेचना चाहती हैं तो हम खरीदने के लिए तैयार हैं। अखिलेश यादव ने जेपी एनआईसी की तारीफ करते हुए कहा कि यह सरकार अच्छे काम को पसंद नहीं करती है। विज्ञान भवन से भी बढ़िया इंफ्रास्ट्रक्चर जेपीएनआईसी में बनाया गया है।**

अखिलेश यादव ने गुरुवार को सपा के मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि हम चाहते हैं कि प्रदेश का इंफ्रास्ट्रचर बढ़िया हो। इसी को देखते हुए हम लोगों ने जेपी एनआईसी का ऑडिटोरियम बनाया था। यह देश का वन आफ द बेस्ट ऑडिटोरियम है। विज्ञान भवन से भी अच्छा इसे बनाया गया है। कहा कि भाजपा वाले जेलस लोग हैं। किसी भी अच्छे काम को पसंद नहीं कर सकते हैं। लखनऊ का गोमती रिवर फ्रंट देश का इकलौता सबसे शानदार काम है। इसे भी बंद कर दिया और आगे बनने नहीं दे रहे हैं। जबकि अभी कहीं पढ़ा कि गुजरात का साबरमती फ्रंट 50 किलोमीटर और बना रहे हैं। अपना 50 किलोमीटर बना रहे हैं और प्रदेश के अनुपयोगी मुख्यमंत्री गोमती रिवर फ्रंट को बंद कर दे रहे हैं।

अखिलेश ने कहा कि इस सरकार ने जिस तरह से बहुत से एसेट को बेचा है, अगर जेपी एनआईसी को बेचेंगे तो हम समाजवादी लोग चंदा जुटाकर खुद खरीद लेंगे। अखिलेश ने कहा कि जेपी एनआईसी के साथ हम लोगों का वैचारिक और इमोशनल अटैचमेंट है। इसका काम नेताजी (मुलायम सिंह यादव) ने शुरू किया था। उस समय देश के बहुत से बड़े नेता आए थे। आज भी लोहिया पार्क वहीं है, उसी का हिस्सा काटकर जेपी एनआईसी बना है। लखनऊ में रहने वाला कोई आईएएस ऐसा नहीं होगा जो लोहिया पार्क में टहलता न हो। जो आईएएस हम लोगों पर अन्याय कर रहे हैं, वह भी वहां टहलता है। वहां के पेड़ पौधे भी देख रहे हैं कि ऐसा कौन का आईएएस है। आज भी सबसे अच्छी क्वालिटी का प्लांटेशन लोहिया पार्क और जनेश्वर मिश्र पार्क में है।

संपूर्ण क्रांति के नायक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता जयप्रकाश नारायण के नाम पर अखिलेश यादव की सरकार में यह सेंटर लखनऊ में बनवाया गया है। इसे जेपीएनआईसी नाम दिया गया। अखिलेश यादव के ड्रीम प्रोजेक्ट में से भी यह एक है। जेपीएनआईसी का निर्माण रियल एस्टेट कंपनी शालीमार ने इंडिया हैबिटेट सेंटर की तर्ज पर किया था।

अखिलेश सरकार में इसे बनाने में 864 करोड़ की अनुमानित लागत बताई गई थी। सरकार ने जेपीएनआईसी के निर्माण कार्य में गड़बड़ी की जांच के आदेश दिए। लखनऊ विकास प्राधिकरण इसकी जांच कर रहा है। निर्माण कार्य रुक जाने के बाद यह वर्ल्ड क्लास बिल्डिंग अब खस्ताहाल हो रही है। अखिलेश यादव का आरोप है कि योगी सरकार इसे बेचना चाहती है जबकि यह समाजवादियों के सम्मान से जुड़ा हुआ मुद्दा है।